an>

Title: Need to take steps to ban Gutkha and Cigarette in the country.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): सभापति महोदय, आज मैं आपका और सदन का ध्यान भारत देश में फैल रहे कैंसर रोग की तरफ दिलाना चाहूंगा। देश में कैंसर बहुत बड़ी मात्रा में फैल रहा है। हमारे गांव में छोटे-छोटे बच्चे और युवा गुटखा खा रहे हैं।

महोदय, आप थोड़ा समय दें।

माननीय सभापति : आपके पास तीस सेकेंड का समय है। आज की लिस्ट में आपका नाम नहीं है। फिर भी मैंने आपको बोलने के लिए कहा है। प्लीज़, इसका ध्यान रखिए।

श्री देवजी एम. पटेल : महोदय, धन्यवाद। लेकिन, यह कैंसर का इश्यू है।

महोदय, यहां अर्जुन जी बैठे हैं। भारत सरकार और ये लोग गुटखा पर टैक्स तो बहुत ज्यादा लगाते हैं। उसमें समस्या यह होती है कि उस पर टैक्स लगाने के बाद उससे जो पैसे आते हैं, उससे हॉस्पीटल्स खड़े होते हैं और उस पैसे से ऐड भी ये लोग देते हैं, लेकिन उससे कैंसर की रोकथाम नहीं हो रही है।

महोदय, मेरा आपके माध्यम से कहना है कि हमारे राजस्थान में अफीम पर बैन है। हम अफीम नहीं खा सकते, लेकिन हम अफीम उगाते हैं, क्योंकि वह मेडिसिन में काम आ रहा है। ये गुटखा और सिगरेट किसी मेडिसिन में काम नहीं आ रहे हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस गुटखा और सिगरेट को अफीम की तरह ही बैन कर दिया जाए। जब वह बनेगा ही नहीं तो फिर उसका ऐड नहीं दिया जाएगा और उससे कैंसर होगा ही नहीं और इस तरह हम देश को और देश के धन बचाएंगे। मेरी यही मांग है कि इसके ऊपर सरकार ध्यान दे।

माननीय सभापति :

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री बलभद्र माझी,

श्री लखन लाल साहू,

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह,

श्री अरविंद सावंत,

डॉ. हिना विजयकुमार गावीत,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे एवं

डॉ. प्रीतम गोपीनाथ मुंडे को श्री देवजी एम. पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।